INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VII- 2nd Lang	Department: Hindi	Date of submission:
Question Bank- नीलकंठ	Topic: प्रश्नोत्तर और व्याकरण	Note: PI File in portfolio

अति लघु उत्तरीय प्रश्न-

प्रश्न1. बड़े मियाँ कहाँ से मोर के बच्चे खरीदकर लाया था।

उत्तर- बड़े मियाँ शंकरगढ़ के एक चिड़ीमार से मोर के दो बच्चे खरीद लाया था।

प्रश्न2. लेखिका मोर-मोरनी को कहाँ से लाई?

उत्तर-लेखिका मोर-मोरनी को नखास कोने से लाई। उन्होंने पैंतीस रुपए में पक्षी बेचनेवाली दुकान से लिया था।

प्रश्न3. मोरनी को मोर की सहचारिणी क्यों कहा गया?

उत्तर- मोरनी को मोर का सहचारिणी कहा गया क्योंकि वह हमेशा मोर के साथ रहती थी।

प्रश्न4. घर पहुँचने पर बच्चों को घरवालों ने क्या कहा?

उत्तर- घर पहुँचने पर सब कहने लग–तीतर हैं और मोर कहकर ठग लिया है।

प्रश्न5. लेखिका को देखकर नीलकंठ अपनी प्रसन्नता कैसे प्रकट करता?

उत्तर- लेखिका को देखकर नीलकंठ उनके सामने मंडलाकार रूप में अपने पंख फैलाकर खड़ा होकर अपनी प्रसन्नता प्रकट करता था।

लघु उत्तरीय प्रश्न-

प्रश्न1. मोर-मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?

उत्तर- मोर की गरदन नीली थी, इसलिए उसका नाम नीलकंठ रखा गया जबकि मोरनी मोर के साथ-साथ रहती थी अतः उसका नाम राधा रखा गया।

प्रश्न2. लेखिका ने ड्राइवर को किस ओर चलने का आदेश दिया और क्यों?

उत्तर- महादेवी जी ने स्टेशन से लौटते हुए ड्राइवर को बड़े मियाँ की दुकान की ओर चलने का आदेश दिया। उन्हें चिड़ियों और खरगोश की दुकान का स्मरण आया।

प्रश्न3. विदेशी महिलाएँ नीलकंठ को परफैक्ट अँटिलमैन क्यों कहती थीं?

उत्तर- विदेशी महिलाएँ नीलकंठ को परफैक्ट 'जेंटिलमैन' की उपाधि दी, क्योंकि विदेशी जब मेहमान के रूप में महादेवी के साथ आते तो उनके प्रति सम्मान प्रकट करने हेतु वह अपने पंख मंडलाकार रूप में फैलाकर खड़ा हो गया।

प्रश्न4. लेखिका नीलकंठ को प्रवाहित करने के लिए संगम पर क्यों ले गई?

उत्तर- नीलकंठ की मृत्यु के बाद महादेवी उसे अपनी शाल में लपेटकर गंगा, यमुना, सरस्वती के मिलन स्थल संगम पर प्रवाहित करने के लिए ले गई। ऐसा इसलिए किया क्योंकि वे अपने घर में पलने वाले प्रत्येक जीव को घर का सदस्य समझती थी।

प्रश्न. कुब्जा के जीवन का अंत कैसे हुआ?

उत्तर- मोर के शावकों को जब जाली के बड़े घर में पहुँचाया गया तो दोनों का स्वागत ऐसे किया गया जैसे नव वधू के आगमन पर किया जाता था। लक्का कबूतर नाचना छोड़ उनके चारों ओर घूम-घूमकर गुटरगूं-गुटरगूं करने लगा, बड़े खरगोश गंभीर भाव से कतार में बैठकर उन्हें देखने लगे। छोटे खरगोश उनके आसपास उछल-कूद मचाने लगे। तोते एक आँख बंद करके उन्हें देखने लगते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1. लेखिका को नीलकंठ की कौन-कौन सी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?

उत्तर- नीलकंठ देखने में बहुत सुंदर था वैसे तो उसकी हर चेष्टा ही अपने आप में आकर्षक थी लेकिन महादेवी को निम्न चेष्टाएँ अत्यधिक भाती थीं जैसे-

1 गर्दन ऊँची करके देखना और पानी पीना।

2 विशेष भंगिमा के साथ गर्दन नीची कर दाना चुगना।

3 गर्दन को टेढ़ी करके शब्द सुनना।

4 मेघों की गर्जन ताल पर उसका इंद्रधनुष के गुच्छे जैसे पंखों को मंडलाकार बनाकर तन्मय नृत्य करना।

5 महादेवी के हाथों से हौले-हौले चने उठाकर खाना।

6 महादेवी के सामने पंख फैलाकर खड़े होना।

प्रश्न2. जाली के बड़े घर में पहुँचने पर मोर के बच्चों का किस प्रकार स्वागत हुआ?

उत्तर- मोर के शावकों को जब जाली के बड़े घर में पहुँचाया गया तो दोनों का स्वागत ऐसे किया गया जैसे नव वधू के आगमन पर किया जाता था। लक्का कबूतर नाचना छोड़ उनके चारों ओर घूम-घूमकर गुटरगूं-गुटरगूं करने लगा, बड़े खरगोश गंभीर भाव से कतार में बैठकर उन्हें देखने लगे। छोटे खरगोश उनके आसपास उछल-कूद मचाने लगे। तोते एक आँख बंद करके उन्हें देखने लगते हैं।

प्रश्न3. वसंत ऋतु में नीलकंठ के लिए जालीघर में बंद रहना असहनीय क्यों हो जाता था?

उत्तर- वसंत ऋतु में जब आम के वृक्ष सुनहली मंजरियों से लद जाते थे और अशोक के वृक्ष नए पत्तों में बँक जाते थे तब नीलकंठ जालीघर में अस्थिर हो जाता था। वह वसंत ऋतु में किसी घर में बंदी होकर नहीं रह सकता था उसे पुष्पित और पल्लवित वृक्ष भाते थे। तब उसे बाहर छोड़ देना पड़ता था।

प्रश्न4. नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप से किस तरह बचाया? इस घटना के आधार पर नीलकंठ के स्वभाव की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- एक बार एक साँप जालीघर के भीतर आ गया। सब जीव-जंतु भागकर इधर-उधर छिप गए, केवल एक शिशु खरगोश साँप की पकड़ में आ गया। साँप

ने उसे निगलना चाहा और उसका आधा पिछला शरीर मुँह में दबा लिया। नन्हा खरगोश धीरे-धीरे चीं-चीं कर रहा था। सोए हुए नीलकंठ ने दर्द भरी व्यथा सुनी तो वह अपने पंख समेटता हुआ झूले से नीचे आ गया। अब उसने बहुत सतर्क होकर साँप के फन के पास पंजों से दबाया और फिर अपनी चोंच से इतने प्रहार उस पर किए कि वह अधमरा हो गया और फन की पकड़ ढीली होते ही खरगोश का बच्चा मुख से निकल आया। इस प्रकार नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप से बचाया।

प्रश्न5. नीलकंठ चिड़ियाघर के अन्य जीव-जंतुओं का मित्र भी था और संरक्षक भी था। वह कैसे? लिखिए।

उत्तर- लेखिका कहती है कि उन्हें पता नहीं चला कि अपने स्वभाव और संस्कार वश मोर ने स्वयं को अन्य सभी जीवों का रक्षक और सेनापति कब नियुक्त कर लिया। वह सबको लेकर उस स्थान पर पहुँच जाता जहाँ दाना बिखेरा जाता। वह घूम-घूमकर रखवाली करता और अगर किसी ने गड़बड़ की तो उसे दंडित भी करता था। वह उन सब का मित्र तो था ही। एक बार साँप ने खरगोश के बच्चे का आधा हिस्सा अपने मुँह में दबा लिया। वह चीख नहीं सकता था। नीलकंठ ने उसका धीमा स्वर सुन लिया और उसने नीचे उतरकर साँप को फन के पास पंजों से दबाया और चोंच-चोंच मारकर उसे अधमरा कर दिया। पकड़ ढीली पड़ते ही खरगोश उसके मुँह से निकल आया। मोर रात भर उसे अपने पंखों के नीचे रखकर गरमी देता रहता।

&&&&&&&&

व्याकरण भाग –

प्रश्न- 1 निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :-

1 - आदान - प्रदान

2 - वरदान - अभिशाप

3 - मौखिक - लिखित

4 - रोगी - निरोगी

5 - उथान - पतन

6 - साकार - निराकार

7 - विजय - पराजय

8 - नकद - उधार

9 - शिक्षित - अशिक्षित

10 - आकाश - पाताल

प्रश्न- 2. दिए गए उपसर्गों के दो-दो शब्द लिखिए –

1- अधि – अधिकार , अधिराज

2- परा – पराजय , पराक्रम

3- प्रति – प्रतिवर्ष , प्रतिशोध

4- अध् – अधजला , अधमरा

5- भर - भरपूर , भरसक

6- गैर – गैरकानूनी , गैरसरकारी

प्रश्न- 2. दिए गए प्रत्ययों के दो-दो शब्द लिखिए -

1- पा – मोटापा , बुढ़ापा

2- ता – सफलता , मानवता

3- मान – शक्तिमान ,विद्यमान

4- हार – होनहार , चित्रहार

5- त्व - महत्व , देवत्व

6- इया – बढ़िया , छलिया

प्रश्न- 4. निम्नलिखित मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए|

1. **अंग-अंग ढीला होना** (बहुत थक जाना)- पूरे दिन काम करते-करते अजय का अंग-अंग ढीला हो गया|
2. **नाक में दम करना** (परेशान करना)- गाँव के इन शरारती बच्चों ने नाक में दम कर रखा है|
3. **हाथ मलना** (पछताना)- सोहन कल गलती करके हाथ मलता रह गया|
4. **अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना** (संकट मोल लेना)- रोहन से झगड़ा करके राम ने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली|
5. **गुदड़ी के लाल** (गरीब के घर में गुणवान का जन्म) लाल बहादुर शास्त्री गुदड़ी के लाल थे|

खुश रहिए ! मुस्कराते रहिए ! स्वस्थ रहिए !